

2. टीवी

1. मनोहर चाचा का घर पहचानने में गोपू को दिक्कत क्यों हुई ?

सभी घर के छत पर एन्टीना लगा हुआ था। इस कारण उसको घर पहचानने में दिक्कत हुई।

2. गोपू के इलाके में टीवी नहीं आता था। इसके क्या कारण हो सकते हैं ?

वह इलाका भौगोलिक रूप से पिछड़ा हुआ था। ऐसे प्रदेशों में विकास देर से आता है। शायद शासक वर्ग इस इलाके को अनदेखा कर रहा होगा।

3. गोपू को टीवी का कार्यक्रम जादू-सा लगा। क्यों ?

गोपू पहले-पहल टीवी देख रहा है। उसकी तकनीकी बातों से वह अनजान है। इसलिए उसे टीवी का कार्यक्रम जादू-सा लगा।

4. चुन्नी के रुआँसी होने का क्या कारण है ?

वे टीवी देखने के लिए घर से चुपके से निकले थे। अब देर होने लगी थी। मनोहर चाचा का घर कहीं दिखता नहीं था। वह डर गई थी।

5. कस्बेवाले एक दूसरे का मुँह देखते हैं। क्यों ?

टीवी देखने के लिए तीन छोटे बच्चों के इतनी दूर पर आने की बात सोचकर वे एक दूसरे का मुँह देखते हैं।

6. गोपू ने चुन्नी से क्या कसम खिलाई थी ? **ANS -** हम चुपके से दूसरे गाँव जाकर टीवी देखकर आएँगे और यह बात किसीको नहीं बताएँगे।

7. चुन्नी, लल्लू और गोपू मनोहर चाचा के घर क्यों जा रहे हैं ?

ANS - टीवी देखने के लिए

8. तीनों बच्चे कहाँ के रहनेवाले हैं ?

ANS - कीरतपुर के

9. “तू रो मत अब” – गोपू किससे ऐसा कहता है ?

ANS - चुन्नी से

10. वे टीवी देखने के लिए दूसरे गाँव क्यों चले जाते हैं ?

ANS - क्योंकि उनके गाँव में टीवी नहीं आता है।

11. गोपू की इच्छा क्या थी ?

ANS - टीवी देखना

12. वे दूसरे गाँव क्यों जाते हैं ?

ANS - टीवी देखने के लिए

13. उनके घर की क्या विशेषता है ?

ANS - पहाड़ी इलाका है।

14. इसका मतलब क्या है ?

1. कसम खिलाना – शपथ लेना, प्रण लेना, प्रतिज्ञा करना

2. हम खो गए – हम संकट में पड़ गए

3. चुपके से जाना – किसीसे कहे बिना जाना

4. चेहरा उतर जाना – उदास हो जाना

5. हिम्मत हारना – धैर्य मिट जाना

6. रुआँसी होना – रोने जैसे होना

7. झंपना – लज्जित होना

15. गोपू की डायरी

तारीख : -----

दिन : -----

आज मेरे जीवन का एक बुरा दिन रहा। मैं चुन्नी और लल्लू को साथ लेकर टीवी देखने की इच्छा से पहाड़ चढ़कर दूसरा गाँव गया। पहले हमने प्रतिज्ञा ली थी कि हम यह बात किसीको नहीं बताएँगे। रास्ते पर कुछ गड़बड़ी हुई। गाँव पहुँचा तो मनोहर चाचा का घर पहचानना भी मुश्किल हो गया। हम तीनों दुख, निराशा और डर से रोने लगे। यह देखकर भीड़ जम गई। तब मनोहर चाचा वहाँ आकर हमें अपना घर ले गए। पर क्या करें? बिजली चल जान से हम टीवी देख न सके। बेचारे लल्लू और चुन्नी। वे तो पहली बार टीवी देखनेवाले थे।

16. चुन्नी का पत्र

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो? कुशल होत? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने के लिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ।

गोपू और लल्लू के साथ मैं मनोहर चाचा के घर में टीवी देखने गई। मनोहर चाचा तो पहाड़ के उस पार दूसरे गाँव में रहते हैं। बड़ी कठिनाइयों झेलकर लंबी यात्रा करके हम वहाँ पहुँच गए। किस्मत से मनोहर चाचा से मिले और उनके साथ घर पहुँच गए। पर चाचा ने जब टीवी चलाया तो बिजली छूट गई। क्या करें, हम लौट चले। हमारे इस गाँव में किसी के घर में टीवी नहीं। यहाँ भी जल्दी ही टीवी आ जाए।

वहाँ तुम्हारी खबर क्या-क्या है? तुम कब यहाँ आओगे? तुम्हारे परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,

नाम

पता।

तुम्हारी सहेली

(हस्ताक्षर)

नाम

17. लल्लू की डायरी

तारीख : -----

दिन : -----

आज का दिन उतना अच्छा नहीं था। दोपहर को दो बजे हम घर से निकले। चुन्नी और गोपू मेरे साथ थे। हम पहाड़ के रास्ते पारकर मनोहर चाचा की गली पहुँचे। सब्जी मंडी में मैं कुछ पीछे हो गया था। तब वे डर गए। फिर हम एक साथ चले। पिछली बार गोपू ने वहाँ टीवी में परेड देखी थी। उसने कहा कि वह दृश्य जादू जैसा लगा। मनोहर चाचा का घर पहचानना गोपू को आसान नहीं था। फिर कस्बेवालों से रोकन बातें करते वक्त मनोहर चाचा आकर हमें उनके घर ले गये। वहाँ विस्मित नोटों से टीवी देखने बैठे, सिर्फ आवाज़ सुनी। दृश्य आनेवाला था, तब बिजली चली गयी। हम दुखी हो गए। गोपू ने कहा कि अगले रविवारको फिर वहाँ जाएँ।

18. टिप्पणी – गोपू की चरित्रगत विशेषताएँ

वरुण ग़ोवर की टीवी नामक एकांकी के एक मुख्य पात्र है गोपू। वह दस साल का लड़का है। वह बहुत हिम्मतवाला लड़का है। उसके मन में आत्मविश्वास है। वह बाधाओं को तोड़कर आगे बढ़ने का साहस करता है। वह अपने दोस्तों को बड़ा प्यार करता है। टीवी देखना उसकी बड़ी इच्छा थी। उसे टीवी जादू जैसा लगता है। इसलिए वह अपने मित्रों को किसीसे कहे बिना दूसरे गाँव में टीवी दिखाने भी ले जाता है।

19. वार्तालाप – चुन्नी और लल्लू के बीच

माँ – चुन्नी, तू आ गई। कहाँ गए थे ?

चुन्नी – क्षमा करो माँ। मैं गोपू और लल्लू के साथ दूसरे गाँव में टीवी देखने गया था।

माँ – यह बात तुमने मुझसे क्यों नहीं बताई ?

चुन्नी – गोपू ने माँ से मत कहने की कसम खिलाई थी।

माँ – मैं बहुत घबरा गई थी। मनोहर चाचा का घर गोपू जानता था ?

चुन्नी – हाँ, पर वह घर को पहचान न सका।

माँ – तब तुमने क्या किया ?

चुन्नी – हम रोए। भीड़ जम गई। तब मनोहर चाचा वहाँ आकर हमें ले गए। टीवी एक जादू ही है, पर ...

माँ – क्या हुआ बेटी ?

चुन्नी – कोई दृश्य देखने से पहले ही बिजली चली गई।

माँ – कोई बात नहीं बेटी। फिर एक बार हम जाएँगे। आगे मुझसे कहे बिना कहीं नहीं जाना।

चुन्नी – ठीक है माँ।

20. वार्तालाप – गोपू, चुन्नी और लल्लू के बीच

गोपू – क्या तुमने कभी टीवी देखी है ?

लल्लू – नहीं देखा है।

गोपू – चुन्नी तुमने देखा है ?

चुन्नी – नहीं गोपू, मैंने कभी नहीं देखा है।

गोपू – मैंने देखा था। एक बार बापू के साथ मैं मनोहर चाचाके घर गया था तब।

चुन्नी – मनोहर चाचा का घर कहाँ है ?

गोपू – दूसरे गाँव में। पहाड़ी के उस पार।

लल्लू – यह बोलो, तुमने क्या देखा ?

गोपू – मैंने 26 जनवरी का परेड देखा था टीवी में। लोग बक्स के अंदर बंद है। छोटे-छोटे दिखते हैं।

लल्लू – बाह बहुत अच्छा लगा होगा ?

गोपू – हाँ ज़रूर क्या आज हम वहाँ जाएँगे।

चुन्नी – लेकिन कैसे ?

गोपू – किसीसे मत कहना। चुन्नी तुम अपने मकोड़े को पकड़कर कसम खाना।

चुन्नी – (हँसकर) हाँ, मैं कसम खाती हूँ। किसी से भी मत कहूँगी।

गोपू – तो आओ दोस्तो। हम चलेंगे मनोहर चाचा के घर।

लल्लू – और टीवी देखकर लौट आएँगे।